



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 254) नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 27, 1993/श्रावण 5, 1915

No. 254) NEW DELHI, TUESDAY, JULY 27, 1993/SRAVANA 5, 1915

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिमूचना

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1993

रा. का. नि. 523(अ).—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 3 की उप-धारा-6 के साथ पट्टिन उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय राष्ट्रीय जहाज मालिक संघ का प्रतिनिधित्व करने के लिए श्री एस.एस. रांगनेकर, महाप्रबन्धक, भारतीय नौवहन निगम, बम्बई के स्थान पर श्री जी.एन. पन्नेकर, महाप्रबन्धक (लाइनर सेवाएं) भारतीय नौवहन निगम, बम्बई को कांडला पत्तन पर न्यायी के रूप में नियुक्त करती है और भारत सरकार जल भूतल परिवहन

मंत्रालय (पत्तन पक्ष) की दिनांक 31-3-1992 की अधिसूचना सा.का.नि. संख्या 387 (अ) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में क्रम सं. 13 के सामने “श्री एस.एम. रंगनेकर” शब्दों के स्थान पर “श्री जी. एन. परुलेकर” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[फा. सं. पी.टी. 18011/6/91-पी.टी.]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th July, 1993

G.S.R. 523(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (6) of Section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963, the Central Government hereby appoints Shri G. N. Parulekar, General Manager (Liner Services), Shipping Corporation of India, Bombay as a Trustee on the Port of Kandla to represent Indian National Shipowners' Association vice Shri S. S. Rangnekar, General Manager, Shipping Corporation of India, Bombay and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport (Ports Wing) No. G.S.R. No. 387(E), dated 31-3-1992, namely :—

In the said notification against serial No. 13 for the words ‘Shri S. S. Rangnekar’ the words “Shri G. N. Parulekar” shall be substituted.

[File No. PT-18011/6/91-PT]

ASHOK JOSHI, Jt. Secy.